बाली जात्रा 2026: समुद्री व्यापार की स्मृति जब उत्सव बन गई

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

समाचार-संदर्भ: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का बाली जात्रा महोत्सव 2026 में संबोधन, कटक (ओडिशा), 24 नवंबर 2026

खबरों में क्यों

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 24 नवंबर 2026 को कटक (PIB में "Kataka") में बाली जात्रा महोत्सव 2026 में भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह एक अनूठा उत्सव है जो ओडिशा के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाता है: समुद्री व्यापार का इतिहास परंपरा बना और परंपरा उत्सव बन गई।[1]

आकाशवाणी के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा (24 नवंबर) को कटक में महानदी के तट पर बाली जात्रा शुरू हुई और यह अगले महीने की पहली तारीख, यानी 1 दिसंबर तक चलेगी।[2]

बाली जात्रा क्या है

मूल भाव: प्राचीन कलिंग (वर्तमान ओडिशा) के व्यापारी, जिन्हें साधव कहा जाता था, बंगाल की खाड़ी पार करके बाली, जावा, सुमात्रा और दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य स्थानों तक व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए जाते थे। बाली जात्रा उसी समुद्री इतिहास की स्मृति है।[2]

बोइता बंदना: कार्तिक पूर्णिमा पर ओडिशा में लोग नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों में केले के तने, कागज़ आदि से बनी छोटी नावें तैराते हैं। यह रस्म साधवों की समुद्र-यात्राओं की याद दिलाती है।[2]

समय: कार्तिक पूर्णिमा कार्तिक मास का समापन दिन है, जो ओडिशा के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक अवसरों में गिना जाता है।[2]

राष्ट्रपति के संबोधन के मुख्य बिंदु

व्यापार से उपलब्धि: ओडिशा के व्यापारी दूर-दराज़ देशों तक व्यापार करने जाते थे। उन्होंने नए समुद्री मार्ग खोजे, अंतर्राष्ट्रीय संबंध मज़बूत किए और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बने।[1]

इंडोनेशिया से संबंध: राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा और बाली का ऐतिहासिक जुड़ाव आधुनिक वाणिज्यिक और सांस्कृतिक सहयोग में बदल सकता है। इस बार की बाली जात्रा में इंडोनेशिया के सांस्कृतिक दल भाग ले रहे हैं। बाली में दो दिन का ओडिशा महोत्सव भी हो रहा है, जिसमें ओडिशा का नृत्य-संगीत, हथकरघा, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजन प्रस्तुत किए जा रहे हैं।[1]

युवाओं के लिए संदेश: अतीत पर गर्व करना और त्योहार मनाना अच्छा है, पर अतीत से प्रेरणा लेकर वर्तमान को गढ़ना और भविष्य को उज्ज्वल बनाना चाहिए। युवा पीढ़ी को व्यापारियों के साहस और कौशल से बहुत कुछ सीखना है।[1]

वर्तमान ओडिशा: राष्ट्रपति ने कहा कि ओडिशा औद्योगिक केंद्र बनकर उभर रहा है और निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। उद्यमी, कारीगर, बुनकर और युवा अपने कौशल से राज्य की अर्थव्यवस्था को मज़बूत कर रहे हैं।[1]

परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण

सांस्कृतिक कूटनीति: साझा इतिहास पर आधारित उत्सव दो देशों के लोगों को जोड़ने का सहज माध्यम बन सकते हैं। यह निष्कर्ष स्रोतों के तथ्यों पर आधारित विश्लेषण है, किसी आधिकारिक नीति का कथन नहीं।

- **अवसर:** पर्यटन, हस्तशिल्प और हथकरघा के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया में बाज़ार की संभावना।
- **चुनौती:** ऐतिहासिक स्मृति को ठोस आर्थिक सहयोग में बदलने के लिए नियमित संपर्क और स्पष्ट कार्य-योजना चाहिए।
- **सावधानी:** परंपरा के लोक-रूप को केवल पर्यटन-उत्पाद बनने से बचाना भी ज़रूरी है।

मुख्य परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "बाली जात्रा जैसे उत्सव भारत की समुद्री विरासत और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ सांस्कृतिक कूटनीति का माध्यम बन सकते हैं।" इस कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: बाली जात्रा प्राचीन कलिंग के साधवों की समुद्री यात्राओं की स्मृति है। राष्ट्रपति ने 2026 के आयोजन में कहा कि इतिहास परंपरा और फिर उत्सव बन गया।

मुख्य भाग में:

- **ऐतिहासिक आधार:** कलिंग से बाली, जावा, सुमात्रा तक व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान; बोइता बंदना की रस्म।
- **वर्तमान संपर्क:** इस वर्ष इंडोनेशिया के सांस्कृतिक दलों की भागीदारी और बाली में ओडिशा महोत्सव।
- **संभावनाएँ:** पर्यटन, हस्तशिल्प, हथकरघा और निवेश में सहयोग; लोगों के बीच संपर्क।
- **सीमाएँ:** स्मृति को ठोस सहयोग में बदलने के लिए निरंतर प्रयास की ज़रूरत; परंपरा का अति-व्यावसायीकरण।

निष्कर्ष में: साझा समुद्री इतिहास सांस्कृतिक कूटनीति का मज़बूत आधार है, पर उसका लाभ नियमित आदान-प्रदान और व्यावहारिक सहयोग पर निर्भर करेगा।

प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: बाली जात्रा और बोइता बंदना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बाली जात्रा ओडिशा के प्राचीन समुद्री व्यापार की स्मृति से जुड़ा उत्सव है।

2. बोइता बंदना में कार्तिक पूर्णिमा पर जलाशयों में छोटी नावें तैराई जाती हैं।

3. बाली जात्रा केवल पुरी में मनाई जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 2

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

- कथन 1 सही है: राष्ट्रपति के संबोधन में समुद्री व्यापार का इतिहास परंपरा और फिर उत्सव बताया गया।
- कथन 2 सही है: कार्तिक पूर्णिमा पर लोग जलाशयों में केले के तने और कागज़ आदि की छोटी नावें तैराते हैं।
- कथन 3 गलत है: 2026 की बाली जात्रा कटक में महानदी के तट पर हो रही है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
मुख्य परीक्षा: GS-1 (भारतीय संस्कृति, कला और विरासत); GS-2 (भारत और पड़ोसी/दक्षिण-पूर्व एशिया संबंध)
प्रिलिम्स: कला और संस्कृति; इतिहास (कलिंग का समुद्री व्यापार)

स्रोत

1. PIB, राष्ट्रपति सचिवालय: राष्ट्रपति ने बाली जात्रा महोत्सव 2026 में भाग लिया (24 नवंबर 2026)
2. आकाशवाणी न्यूज़: ओडिशा में कार्तिक पूर्णिमा (24 नवंबर 2026)

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: बाली जात्रा ओडिशा के प्राचीन समुद्री व्यापार की स्मृति में मनाया जाने वाला उत्सव है। 2026 में यह कटक में महानदी के तट पर 24 नवंबर से 1 दिसंबर तक चल रहा है।

प्रश्न: बाली जात्रा 2026 कहाँ हो रही है?

कटक (ओडिशा) में महानदी के तट पर। राष्ट्रपति ने 24 नवंबर 2026 को इसमें भाग लिया।

प्रश्न: बोइता बंदना क्या है?

कार्तिक पूर्णिमा पर जलाशयों में छोटी नावें तैराने की रस्म, जो प्राचीन कलिंग के व्यापारियों की समुद्र-यात्राओं की याद दिलाती है।

प्रश्न: बाली जात्रा का इंडोनेशिया से क्या संबंध है?

कलिंग के व्यापारी बाली, जावा और सुमात्रा तक व्यापार करने जाते थे। इस वर्ष इंडोनेशिया के सांस्कृतिक दल भी जात्रा में भाग ले रहे हैं।